Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 8 , बुधवार, 31 जनवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

एक पद को लेकर महिला शिक्षक आमने-सामने फिर हुआ ये...

बरेली। बरेली कॉलेज में एक विभाग का विभागाध्यक्ष बनने को लेकर रार छिड़ गई है। प्राचार्य ने एक महिला शिक्षक को इसकी जिम्मेदारी सौंपी थी। इसपर विभाग की दूसरी महिला शिक्षक ने दावा ठोंक दिया। तर्क सही लगे तो प्राचार्य ने कमेटी बना दी। यह कमेटी अब फैसला देगी तभी विभाग को नया विभागाध्यक्ष मिलेगा। बरेली कॉलेज में बायोटेक विभाग का विभागाध्यक्ष प्राचार्य ने डा. शालिनी नागाइच को बनाया था। प्राचार्य के इस फैसले के बाद विभाग की शिक्षिका डा. तृप्ता खरे ने यह कहते हुए हेड बनाए जाने की मांग रखी कि सेल्फ फाइनेंस कोर्स होने के कारण हेडशिप उनको मिलनी चाहिए थी। इस मामले में प्राचार्य ने सचिव को अवगत कराया और फिर तीन सदस्यीय कमेटी विवाद निपटारे के लिए बना दी। इसमें डा. एमके सिंह, डा. पूर्णिमा अनिल और डॉ अनुराग मोहन भटनागर को शामिल किया गया है। बायोटेक विभागाध्यक्ष पद पर छिड़ी रार का फैसला अब तीन सदस्यीय कमेटी करेगी। अब कमेटी के निर्णय के आधार पर प्राचार्य विभागाध्यक्ष तय करेंगे।

अमेरिका में धूम मचाने वाला यह डायरेक्टर अब बरेली में करेगा धमाल

बरेली (एजेंसी)। ब्रिटेन, अमेरिका समेत कई देशों में अपने थिएटर से धूम मचाने वाले अभिषेक मजूमदार मानते हैं कि आम पब्लिक की परिभाषा सीमित कर दी गई है। रंगमंच को आज भी पर्याप्त दर्शक मिल रहे हैं। कला की यह पुरानी विधा रोज ही विकसित हो रही है। इंटरनेट के युग में इसका विस्तार होने की संभावना लगातार बढ़ती जा रही है। कौमुदी, एन अरेंजमेंट आफ शूज, रिजवान, आफ्टर लाइफ आफ बर्ड जैसे नाटकों का निर्देशन कर चुके अभिषेक मजूमदारने विंडरमेयर थिएटर फेस्ट में अपने दो नाटकों की प्रस्तुति दी। रंगमंच पर निर्देशक की भूमिका पर अभिषेक कहते हैं कि सफल निर्देशक वही है जिसकी छाप मंच पर न दिखे। थिएटर पूरी तरह अभिनय पर निर्भर करता है। निर्देशक खुद उस नाटक में छिपकर एक्टिंग करता है। खराब अभिनय हो तो भी फिल्म चल सकती है, थिएटर कतई नहीं। गंभीर विषयों और विशेष कालखंड के नाटकों के बारे में पूछने पर वह कहते हैं, आदमी एक साथ कई समय जीता है। जैसे-जैसे समय बीतता है, इतिहास और बढ़ता है।

डीईआरसी ने बढ़ाई बिजली लाइनों की मरम्मत की दरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीइआरसी)ने बिजली अधिनियम 2003 में संशोधन करते हुए लाइनों की मरम्मत की दरें बढ़ा दी। जबकि इसके लिए कोई जनसुनवाई नहीं हुई है। इसे लागू भी कर दिया गया, जबकि पूर्व उपराज्यपाल नजीबजंग ने डीईआरसी अध्यक्ष के सभी निर्णय शून्य घोषित कर दिए थे लेकिन इसके बाद डीईआरसी द्वारा उक्त निर्णय को लागू कराया जा रहा है। जो उपराज्यपाल के आदेशों का सीधा उल्लंघन है। दिल्ली सरकार ने कृष्ण सैनी को डीइआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया था। सैनी ने अपनी नियुक्ति के बाद बिजली अधिनियम 2003 में बिजनेस प्लान में संशोधन करते हुए बिजली की लाइनों की मरम्मत दरों में बेहताशा वृद्धि कर दी गई है। पूर्व में यह दरें लागत मूल्य पर किलोमीटर का 2 प्रतिशत होती थी। जिससे मरम्मत करीब दो लाख रपए पर किलोमीटर आती थी, लेकिन अब बिजनेस प्लान में परिवर्तन कर इन दरों को बढ़ाकर 5.17 लाख रपए पर किलोमीटर कर दिया गया। इन दरों में हरवर्ष बढ़ोत्तरी होगी और वर्ष 2019-20 में यह दरें 8.24 लाख रपए प्रति किलोमीटर हो जाएंगी। मरम्मत दरों के बढ़ने से इसका भार सीधे जनता पर पड़ेगा।

घर व दुकान से लाखों के गहने व नकदी उड़ाई

पूर्वी दिल्ली (एजेंसी)। भजनपुरा, जाफ्राबाद व जीटीबी एन्क्लेव क्षेत्र में चोर घर और दुकान से लाखों के गहने व नकदी लेकर गायब हो गए। पहली घटना थाना भजनपुरा क्षेत्र की है, जहां बदमाश लाखों के गहने व नकदी लेकर फ्रार हो गए। पीड़ित यशवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मकान नंबर-384, गली नम्बर-17 में रहता है और कपड़े का कारोबार करता है। शाम चार बजे पत्नी बच्चों को लेकर खाना देने दुकान पर गई थी। शाम साढ़े पांच के करीब वापस आई तो घर का ताला टुटा हुआ था और आलमारी में रखे करीब 95 हजार रु पए और दो लाख की नकदी गायब थी। दूसरी घटना जाफ्राबाद की है, जहां पीड़ित तंजीम सी-182/15, गली नंबर-2 अखाड़े वाली गली में रहता है।

कासगंज हिंसाः

गृह मंत्रालय ने योगी सरकार से मांगी रिपोर्ट, पूछे कई सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले पांच दिनों से धू-धू कर चल रहे कासगंज हिंसा को केन्द्र ने गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से रिपोर्ट मांगी है। गृह मंत्रालय ने यूपी सरकार से पूछा है कि आखिर वो क्या वजह थी जिसके चलते इस कदर हिंसा फैली और इसे रोकने में प्रशासन क्यों नाकाम रहा?

गृह मंत्रालय ने आगे पूछा है कि समय रहते कासगंज हिंसा को क्यों काबू नहीं किया गया? कासगंज में रह रहकर हो रही हिंसा के बीच केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा- दोषियों के खिलाफ योगी सरकार कड़ी कार्रवाई कर रही है। साध्वी ने कहा कि इस घटना से यह जाहिर होता है कि असामाजिक तत्व को तिरंगा यात्रा बर्दाश्त नहीं है। यूपी सरकार कड़ी कार्रवायी कर रही है। ऐसी घटना को किसी भी कीमत पर अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। ऐसी घटना पर राजनीति भी नहीं होनी चाहिए।

कासगंज इलाके में जहां एक तरफ इंटरनेट को दोबारा किया गया है तो वहीं दूसरी तरफ इस घटना की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का भी गठन किया गया है। इसके साथ ही, कासगंज की जांच के लिए मजिस्टीरियल जांच के भी आदेश दे दिए गए हैं। उधर, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार राज्य के अंदर किसी भी तरह का अराजकता और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जो भी इस कृत्य में शामिल है उसके खिलाफ कड़ी कार्रवायी जाएगी। गौरतलब है कि 26 जनवरी को तिरंगा यात्रा के दौरान दो पक्षों में हुई कहासुनी और उसके बाद फायरिंग में चंदन गुप्ता की मौत के बाद ऐसा बवाल हुआ कि थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में प्रदेश सरकार की तरफ से कई कार्रवाई भी कई गई है लेकिन वो सारे प्रयास अब तक नाकाफी दिख रहे हैं। कासगंज में दो समुदायों के बीच हुए बवाल के बाद अब तक 112 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। रविवार को ही 30 से बी ज्यादा लोगों को हत्या के आरोप में जेल भेजा गया। जबकि, अन्य 51 लोगों को हिंसा के आरोप में हिरासत में लिया गया। उधर, घटना के तीन दिन बाद कासगंज में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। सोमवार को योगी सरकार ने वहां के एसपी पर गाज गिराते हुए सुनील कुमार सिंह को हटा दिया।

सुनील कुमार की जगह पर पीयूष श्रीवास्तव को लिया गया है। हिंसाग्रस्त इलाके बिलराम गेट, तहसील रोड, लवकुश नगर और बद्दु नगर में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना में मारे गए गए चंदन के परिवार को 20 लाख रूपये अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

नियमों के तहत सीलिंग से बचाव के प्रयास जारी : उपराज्यपाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने आप विधायक सौरभ भारद्वाज को पत्र लिखकर दिल्ली में चल रही दुकानों व व्यावसायिक संपत्तियों की सीलिंग के बारे में कहा है कि नियमों के दायरे में इसका समाधान निकालने की कोशिश जारी है। उपराज्यपाल ने कहा है कि उन्होंने इस विषय के संबंध में सभी पहलुओं को समझने के लिए दुकानदारों, व्यापारियों के प्रतिनिधियों सहित सभी हितधारकों के साथ कई बैठकें कर उनसे मुलाकात की और सुना। उन्होंने बताया कि इस विषय पर सभी न्यायिक आदेशों एवं मौजूदा कानूनों को ध्यान में रखते हुए, संकट से उबरने के सभी संभावित समाधानों का पता लगाया जा रहा है। उपराज्यपाल ने कहा कि यह एक जटिल मामला है और अगर विधायकों के पास कुछ सुझाव हैं तो वे इन्हें लिखित रूप में दें या इससे बेहतर है कि शहरी विकास मंत्री के माध्यम से दें। शहरी विकास विभाग ही गलियों में मिश्रित भूमि के संबंध में नोटिफिकेशन जारी करने के लिए उत्तरदायी है।

उपराज्यपाल ने कहा कि यह लाखों लोगों की आजीविका के साथ-साथ दिल्ली के योजनाबद्ध विकास से संबंधित बहुत ही गंभीर मामला है। उपराज्यपाल ने माननीय विधायक की चिंता की सराहना की और उनके रचनात्मक सुझावों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत गंभीर मामला है और नियोजित विकास से जुडा है। उपराज्यपाल नेचिंतित विधायकों की तारीफ की और रचनात्मक सुझावों का स्वागत करने की बात कही, साथ ही उन्होने सख्त हिदायत दी कि मामले को हल्के में न लिया जाए।

सट्टेबाजी के विवाद में किशोर की हत्या

नेबसराय क्षेत्र में सट्टेबाजी के विवाद में बदमाशों ने साहिल की गोली मार दी। पुलिस ने घायलावस्था में बत्रा अस्पताल में भर्ती कराया, जहां देर रात उसकी मौत हो गई। सोमवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने एक आरोपी साजिद उर्फ चड्डी को गिरफ्तार कर लिया है। साहिल (16) पिता खलील व दो बहनों के साथ सी-87, जेजे कैंप, तिगड़ी में रहता था। पिता ऑटो चलाते हैं। पुलिस के मुताबिक शाम पांच बजे के करीब साहिल अपने दोस्त आदर्श, आसिफ और एक अन्य साथी के साथ गुल्ली डंडा खेल रहा था। उसके बाद सभी सिलाई सेंटर की छत पर सिगरेट पी रहे थे। इसी दौरान साहिल के फोन पर चड्डी का फोन आया और उसे मिलने के लिए पार्क के पास बुलाया। आसिफ का दो दिन पहले ही चड्डी के भाई शौकत के साथ झगड़ा हुआ था इसलिए वह साहिल के पीछे-पीछे रहा। पार्क में पहुंचने पर वहां पर बड़ा आबिद, उसका भाई शौकत, सलीम पव्वा और उसका साला साहिल मौजूद थे। साहिल के पहुंचते ही बड़ा आबिद और सलीम पव्वा ने उसे पकड़ लिया और चड्डी ने साहिल को गोली मार दी और मौके से सभी आरोपी फ्रार हो गए। पुलिस के मुताबिक दो दिन पूर्व भी साहिल और उसके दोस्तों का चड्डी और उसके दोस्तों के साथ झगड़ा हुआ था।

पीसीएस 2011 के सबूत खोल सकते हैं भ्रष्टाचार की परत,

इलाहाबाद (एजेंसी)। लोक सेवा आयोग की पीसीएस 2011 की परीक्षा में हुई गड़बड़ी के साक्ष्य सपा शासनकाल के दौरान भर्तियों में हुए भ्रष्टाचार की परत खोलने में सहायक साबित हो सकते हैं। यह साक्ष्य प्रतियोगी छात्रों के पास मौजूद हैं, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत भी किया था।

सूत्रों का कहना है कि यह साक्ष्य सीबीआई के पास भी पहुंच गए हैं। प्रतियोगियों का दावा है कि इस साक्ष्य से ही आयोग की भर्तियों में भ्रष्टाचार स्पष्ट हो जाएगा। पीसीएस 2011 सपा शासनकाल का पहला बड़ा परिणाम था। अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद प्रतियोगियों ने वेबसाइट से इसमें शामिल अभ्यर्थियों की मार्कशीट डाउनलोड कर ली थी। प्रतियोगियों की मानें तो इसमें कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए थे। लिखित परीक्षा में कम अंक पाने वाले ओबीसी की एक खास जाति के अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में 139 से 145 नंबर दिए गए थे, जिससे उनका चयन हो गया था। वहीं लिखित परीक्षा में ज्यादा नंबर पाने वाले सामान्य और एससी अभ्यर्थी इंटरव्यू में 80 से 110 नंबर पाने के कारण बाहर हो गए थे। इस रिजल्ट में ओबीसी की एक खास जाति के अभ्यर्थियों के स्केल्ड मार्क्स को अन्य अभ्यर्थियों की तुलना में बढ़ाने का भी आरोप है।

पीसीएस 2011 के माध्यम से 389 पदों पर भर्ती हुई थी। दावा है कि डिप्टी एसपी, डिप्टी कलेक्टर समेत अन्य पदों पर जिन 90 ओबीसी अभ्यर्थियों का चयन हुआ था, उनमें से 54 ओबीसी की एक खास जाति के थे। यह मामला सामने आने के बाद ही आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने वेबसाइट पर मार्कशीट देखने के लिए वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) की व्यवस्था लागू कर दी थी। जिससे बाद अभ्यर्थी सिर्फ अपनी ही मार्कशीट देख सकते हैं जबकि पूर्व की व्यवस्था में अभ्यर्थी रोल नंबर और जन्मतिथि टाइप कर किसी की भी मार्कशीट देख लेते थे।

यूपीः अमेठी में दो पक्षों में गोली चलने से एक की मौत, कई घायल,

जगदीशपुर (अमेठी)। अमेठी के जगदीशपुर में ब्लाक कार्यालय के पास विजया बैंक के सामने मंगलवार दोपहर दो पक्षों के बीच कई राउंड गोली चलने की घटना हुई। जिसमें गोली लगने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जिला अधिकारी व पुलिस कप्तान सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए हैं। दोपहर में बड़े गांव निवासी अशफाक पुत्र अंसार किसी काम से अपनी सफारी कार से कस्बा आया था। वह अपने साथियों के साथ विजया बैंक के पास रुका ही था कि बाइक सवार दो बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जिसमें गोली लगने से अशफाक की मौके पर ही मौत हो गयी। दो पक्षों के बीच गोली चलने की घटना से कस्बे में दहशत फैल गई। व्यापारियों ने अपनी दुकानों के शटर गिरा दिए। मामला दो समुदायों के बीच का होने के कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई। घटना की सूचना पर सीएचसी में हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी।

सीएससी के सामने पथराव की घटना भी हुई। इसकी सूचना पाकर जगदीशपुर में कई थानों की पुलिस तैनात कर दी गई। डीएम शकुंतला गौतम, पुलिस कप्तान, एसडीएम अभय कुमार पांडेय सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

धारा 144 लगी, थानाध्यक्ष लाइन हाजिर : तनावपूर्ण स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कस्बे में धारा 144 लागू कर दी गयी है। कस्बा बाजार से जाने वाले वाहनों का रूट डायवर्जन भी किया गया है। दो समुदाय के बीच फायरिंग के कारण दहशत बस व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दी। पुलिस कप्तान ने थानाध्यक्ष जेपी पांडे को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कस्बे में पुलिस फ्लैग मार्च कर रही है।

रविदास जयंती : पगंत में बैठकर लंगर छकेंगे सीएम योगी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संत निरंजनदास दोनों बुधवार को पंगत में साथ बैठकर लंगर छकेंगे। रविदास मंदिर प्रबंधन के अनुसार मुख्यमंत्री करीब साढ़े 11 बजे परिसर में पहुंचेंगे। दर्शन पूजन के उपरांत वह वीवीआईपी कक्ष में कॉफी के साथ रविदासिया धर्म पर चर्चा करेंगे। यहां करीब 15 मिनट रुकने के बाद पौने बारह बजे सीएम मुख्य पंडाल के लिए प्रस्थान करेंगे। जहां मंदिर प्रबंधन की तरफ से उन्हें सरोपा और भगवा शाल भेंट की जाएगी। मंच पर ही रविदासिया धर्म का निशान साहब और संत रविदास की रजत प्रतिमा भी बतौर स्मृति चिह्न मुख्यमंत्री को भेंट की जाएगी। वापसी में मुख्यमंत्री लंगर छकेंगे। जिसमें बिना लहसुन प्याज की दाल-रोटी के साथ रायता भी रहेगा। ट्रस्टी केएल सरोए ने कहा कि हमारी ओर से मुख्यमंत्री से किसी भी प्रकार की कोई मांग नहीं की जाएगी। जहां तक जरूरतों का प्रश्न है तो मंदिर क्षेत्र में भक्तों की सुविधा की दृष्टि से अस्पताल, यात्री निवास, मंदिर के पास 50 मीटर लंबा गलियारा और लंगर हॉल अत्यंत आवश्यक है। हम लोग भक्तों के सहयोग से इन कार्यों को भी पूरा करने में लगे हुए हैं।

सीलिंग के विरोध में कर रहे थे प्रदर्शन

आप कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने भांजी लाठियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सीलिंग, खुदरा कारोबार को विदेशी कंपनियों के लिए पूरी तरह खोलने और लाभ का पद मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के 20 विधायकों को अयोग्य ठहराये जाने के विरोध में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पटेल चौक पर प्रदर्शन किया।

सोमवार को प्रदर्शन कर रहे आप पार्टी के कार्यकर्ता अपने संसद भवन की तरफ मार्च करने के दौरान उन्हें रोकने का प्रयास कर रहे दिल्ली पुलिसकर्मियों से भिड़ गए।

इस दौरान तकरीबन 50 से भी ज्यादा आप कार्यकर्ताओं ने जबरदस्ती संसद की तरफ मार्च करने के प्रयास में दिल्ली पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की। जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए हल्का बल प्रयोग भी किया और कुछ को हिरासत में लेकर पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने ले गई, जहां थोड़ी बाद सभी को छोड़ दिया।

पार्टी प्रवक्ता आशुतोष ने कहा कि पुलिस द्वारा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कराया गया जिसमें पार्टी के कई नेता एवं कार्यकर्ता चोटिल हुए।

दूसरी ओर गोपाल राय ने कहा कि सीलिंग के विरोध में पार्टी मंगलवार को सिविक सेंटर पर क्रमिक अनशन क रेगी।

प्रदर्शनकारी हाथ में तख्ती लिए हुए थे और सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे। संसद मार्ग पुलिस ने पार्टी नेता आशुतोष, दिलीप पांडेय और कई अन्य नेताओं तथा विधायकों को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन से आसपास के इलाकों में यातायात जाम हो गया।

आप नेताओं ने पुलिस पर आरोप लगाया कि वह शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन पुलिस ने बल प्रयोग किया और महिलाओं को भी नहीं बख्शा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सीलिंग से रोकने को केंद्र सरकार कानून बनाए। आप नेताओं का कहना है कि पार्टी के नेता, सांसदों, विधायकों, पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने सीलिंग बंद कराने की मांग को लेकर संसद मार्च किया।

पार्टी के नेता और कार्यकर्ता संसद मार्ग पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे कि अचानक पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कर दिया।

बुरा वक्त कभी भी बताकर नहीं आता मगर सिखाकर और बताकर बहुत कुछ जाता है
-अज्ञात

''का बरखा जब कृषि सुखानी'

अर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 सोमवार को संसद में पेश किया गया। सर्वेक्षण के मुताबिक 2017-18 में कृषि क्षेत्र करीब दो प्रतिशत की दर से विकास करेगा। लगातार यह बात साफ हुई है कि कृषि की तमाम समस्याओं में एक बड़ी समस्या उसकी मार्केटिंग की है। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य ना मिल पाना बहुत बड़ा मुद्दा है। इस बार आर्थिक सर्वेक्षण कृषि को लेकर कुछ फिल्मी और साहित्यिक हो गया है। आर्थिक सर्वेक्षण में कृषि चैप्टर की शुरु आत मनोज कुमार की हिट फिल्म उपकार के उस परम हिट गीत से होती है-मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती। इसी चैप्टर में आगे तुलसीदास की उक्ति दर्ज है ''का बरखा जब कृषि सुखानी' यानी जब कृषि खत्म ही हो गई तो बारिश का क्या मतलब। सर्वेक्षण बताता है कि सरकार ने बाजार सुधार से संबंधित कई कदम उठाए हैं ताकि किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिल सके। इस सिलसिले में अप्रैल, 2016 में कृषि के केंद्रीकृत इलेक्ट्रानिक बाजार को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट-ई-नाम की शुरु आत हुई थी। इस बात को कुछ समय बाद पूरे दो साल हो जाएंगे। शुरु आत अभी भी शुरु आत की ही स्टेज में है। सर्वेक्षण फिर इस शुरु आत को रेखांकित करके आगे बढ़ जाता है, पर यह बाजार अभी आगे नहीं बढ़ पाया है। आगामी बजट इस बाजार को ठोस तरीके से बढ़ाने के लिए क्या कुछ करता है, यह दो दिन बाद पता चलेगा। उम्मीद है कि 2017-18 में विकास दर 6.75 प्रतिशत होगी, पहले कयास थे कि यह 6.50 प्रतिशत से ऊपर ना जाएगी। आने वाले सालों में उम्मीद और मजबूत होती दिखती है सर्वेक्षण के मुताबिक 2018-19 में यह बढ़कर 7 से 7.5 प्रतिशत तक हो जाएगी। यानी भविष्य बेहतर है इस साल के मुकाबले। 2017-18 में कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों में क्रमश: 2.1 प्रतिशत, 4.4 प्रतिशत और 8.3 प्रतिशत दर की वृद्धि होने की उम्मीद है। खेती में सबसे कम विकास यानी 2.1 प्रतिशत और फिर उद्योगों में ज्यादा यानी 4.4 प्रतिशत विकास और सबसे ज्यादा सेवा क्षेत्रों में यानी 8.3 प्रतिशत विकास दर से साफ होता है कि मेक इन इंडिया के नारों के बावजूद उद्योग जगत पांच प्रतिशत का आंकड़ा भी विकास में पार नहीं कर पा रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण ने बजट से पहले कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों को रेखांकित कर दिया है, अब देखना है कि कुछ समय बाद आने वाला बजट इन मसलों से निपटने के लिए क्या क्या ठोस कदम उठाता है?

विशेषाधिकार कानून

अशांत क्षेत्रों में सैन्य विशेषाधिकार कानून (आफ्सपा) का मामला चर्चा का विषय रहा है। इस पर अनेक बार विचार-विमर्श हुए और कम से कम पिछली यूपीए सरकार के दौरान इसे कुछ हद तक सीमित करने पर भी चर्चा हुई थी लेकिन सेना के विरोध की वजह से अंतत: उस पर कोई पहल नहीं हो पाई। मौजूदा सरकार के पास भी यह मामला रहा है लेकिन सरकार ने इस पर किसी तरह का वादा नहीं किया। इसलिए लंबे समय से चले आ रहे इस मामले में सेनाध्यक्ष बिपिन रावत का यह बयान कतई चौंकाता नहीं है कि विशेषाधिकार को सीमित करने या खत्म करने का वक्त अभी नहीं आया है। दरअसल, यह कानून सेना को देश के भीतर अशांत क्षेत्रों में तैनाती के दौरान उसकी कार्रवाई पर किसी जांच-पड़ताल या अनुशासनात्मक कार्रवाई से मुक्त करता है। लेकिन कश्मीर घाटी से लेकर पूर्वोत्तर के राज्यों में भी कई ऐसे मामले प्रकाश में आए, जिनमें उत्पीड़न के आरोप उछले। मणिपुर में तो कथित अत्याचारों के खिलाफ इरोम शर्मिला ने करीब दशक भर तक अनशन की। हालांकि विधान सभा चुनाव से पहले उन्होंने इस मुद्दे को त्याग दिया। इसका उन्हें नुकसान भी उठाना पड़ा। लेकिन इससे उनके आंदोलन के मुद्दे बेमानी नहीं हो जाते। क्योंकि; एक दौर में मणिपुर में औरतों ने आफ्सपा के खिलाफ नग्न प्रदर्शन किया था। यानी मुद्दा ज्यों-का-त्यों बना हुआ है। कश्मीर में भी रह-रहकर इसके खिलाफ आवाज उठती रही है। मौजूदा पीडीपी-भाजपा सरकार के दौरान भी कहा गया था कि अशांत क्षेत्रों में सैनिकों की तैनाती कम कर दी जाएगी। लेकिन पत्थरबाजी की वारदात बढ़ने से यह मामला पीछे चला गया। इस मामले में सेना की यह दलील भी विचार योग्य हो सकती है कि उसे आतंरिक मामलों में तैनाती नहीं दी जानी चाहिए या फिर कुछ विशेष अधिकार जरूर होने चाहिए वरना सैनिकों पर कोई भी अनाप-शनाप आरोप लगा सकता है और इससे बेवजह सैन्य मनोबल प्रभावित हो सकता है। लेकिन यह भी सही है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन की छूट नहीं दी जा सकती क्योंकि उससे वही मकसद यानी शांति बहाली बेमानी हो जाती है, जिसके लिए सेना तैनात की जाती है।

सत्संग

कुरूपताओं के लिए कौन जिम्मेदार

मनुष्य ने सेक्स के खिलाफ एक युद्ध शुरू किया है, और इससे जुड़े परिणाम का सही आकलन करना मुश्किल है..। हम और भी चकित हो जाएंगे, जब हम सेक्स से होने वाले बीमारियों की लिस्ट देखेंगे। इन सारी कुरूपताओं के लिए कौन जिम्मेदार है? वो लोग हैं, जो लोगों को सेक्स की भावना को समझने के बजाय इसका दमन करना सिखाते हैं। इस बात को स्वीकार करना जरूरी है कि सेक्स की ऊर्जा दिव्य होती है। दोस्तों के एक समूह के साथ मैं खजुराहो के विश्व प्रसिद्ध मंदिर देखने गया। मंदिर का बाहरी दीवार और परिसर यौन क्रियाओं के दृश्यों और संभोग की कई मुद्राओं से सजा हुआ था। मेरे एक दोस्त ने पूछा कि मंदिर को सजाने के लिए ये मूर्तियां यहां क्यों रखी हुई हैं? मैंने उन्हें बताया कि जिन शिल्पकारों ने मंदिर को बनाया है, वो काफी बुद्धिमान थे। सेक्स के जुनून को जानते थे और यह भी कि यह जीवन की परिधि पर मौजूद है। उनका विास था कि जो लोग अब तक सेक्स में जकड़े हुए हैं, उन्हें इस मंदिर में प्रवेश करने का कोई अधिकार नहीं है। हम अंदर गए। मंदिर के अंदर भगवान की कोई मूर्ति नहीं थी। मेरा दोस्त अंदर भगवान की कोई मूर्ति ना पाकर आर्श्चयचकित था। मैंने उन्हें बताया कि जीवन की बाहरी दीवार पर वासना और जुनून का अस्तित्व है, जबकि भगवान का मंदिर अंदर है। वो लोग जो अभी भी जुनून या सेक्स से मुग्ध हैं, वो मंदिर के अंदर विराजित भगवान की मूर्ति तक नहीं पहुंच सकते। केवल बाहरी दीवार तक ही घूमते रह जाते हैं। इस मंदिर को बनाने वाले लोग समझदार थे। यह ध्यान का एक केंद्र था, जिसकी सतह पर और चारों ओर कामुकता थी, जबकि केंद्र में शांति और खामोशी का वास था। उन्होंने आकांक्षियों को बताने की कोशिश की थी कि सेक्स पर ध्यान कैसे करें? जब वो सेक्स को अच्छी तरह से समझ गए तो निश्चित तौर पर उनका मन इससे मुक्त हो गया था। वो फिर अंदर गए होंगे और भगवान की मूर्ति को देखा होगा। लेकिन धर्म के नाम पर हम सेक्स को समझने की हर संभावना को नष्ट कर देते हैं। हम मानते हैं कि पंडित सेक्स के दुश्मन हैं। वो इसके दुश्मन बिल्कुल नहीं हैं, बल्कि इसके प्रचारक हैं। उन्होंने सेक्स को लेकर एक आकर्षण को जन्म दे दिया है। उनका सेक्स का विरोध करना लोगों को इसके प्रति और आकर्षित करता है, और उन्हें इसके लिए पागल बनाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्घाटन भाषण

प्रश्न स्वाभाविक है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने देश की बेहतर तथा विश्वसनीय छवि बनाने में सफल हुए या नहीं? कहने की आवश्यकता नहीं कि मोदी अपनी अन्य विदेश यात्राओं के अनुरूप पूरी तैयारी के साथ गए थे। उद्घाटन के पहले दुनिया एवं भारत के प्रमुख सीईओ के साथ उन्होंने बैठक की और अपने देश में आर्थिक सुधारों की चर्चा करते हुए कहा कि भारत का मतलब ही है कारोबार। बैठक के बाद जो दृश्य था, उससे साफलग रहा था कि सीइओ प्रभावित हुए हैं। यह महत्त्वपूर्ण बैठक थी। आखिर, एक बड़ा उद्देश्य पूंजी को आकर्षित करना था। उद्घाटन भाषण तो इतना शानदार था कि वहां उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने उसे ''स्टैंडिंग ओवेशन' दिया यानी सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाई।

सतीश पेडणोकर

स्विट्जरलैंड का दावोस शहर आल्प्स पर्वत और वासर नदी के किनारे बसा है। इस सुंदर शहर की प्रसिद्धि पिछले लंबे समय से आयोजित होने वाले विश्व आर्थिक मंच के कारण है। विश्व आर्थिक मंच की स्थापना 1971 में जेनेवा विविद्यालय के प्रोफेसर क्लॉज एम श्वाब ने की थी। यह गैर-लाभकारी एनजीओ है, जो व्यापार, राजनीति, शैक्षिक व अन्य क्षेत्रों के नियंतण्र नेताओं व अग्रणी लोगों को एक साथ लाकर नियंतण्र, क्षेत्रीय और औद्योगिक दिशा तय करना अपना लक्ष्य बताता है। इस मंच पर सभी देश अपनी नीतियों को ठीक प्रकार से रखकर न केवल निवेश एवं पर्यटन को आमंत्रित करने की कोशिश करते हैं, बल्कि विश्व की चुनौतियों पर अपने विचार तथा रणनीति भी रखते हैं। हर वर्ष के सम्मेलन का एक थीम होता है। इस बार की थीम था-बंटी हुई दुनिया के लिए साझा भविष्य का निर्माण। इस बार के सम्मेलन में 70 देशों के करीब 350 नेताओं समेत 3000 लोग शामिल हुए। विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष समेत 38 संगठनों के प्रमुखों ने भी इसमें भाग लिया। 2,000 कंपनियों के सीईओ भी मौजूद रहे। भारत के लिए यह इस मायने में महत्त्वूर्ण था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उद्घाटन भाषण देना था। प्रश्न स्वाभाविक है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने देश की बेहतर तथा विश्वसनीय छवि बनाने में सफल हुए या नहीं? कहने की आवश्यकता नहीं कि मोदी अपनी अन्य विदेश यात्राओं के अनुरूप पूरी तैयारी के साथ गए थे। उद्घाटन के पहले दुनिया एवं भारत के प्रमुख सीईओ के साथ उन्होंने बैठक की और अपने देश में आर्थिक सुधारों की चर्चा करते हुए कहा कि भारत का मतलब ही है कारोबार। बैठक के बाद जो दृश्य था, उससे साफलग रहा था कि सीइओ प्रभावित हुए हैं। यह महत्त्वपूर्ण बैठक थी। आखिर, एक बड़ा उद्देश्य पूंजी को आकर्षित करना था। उद्घाटन भाषण तो इतना शानदार था कि वहां उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने उसे ''स्टैंडिंग ओवेशन' दिया यानी सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाई। वास्तव में अपने देश का बखान करते हुए मोदी ने दुनिया के सामने उपस्थित चुनौतियों तथा उनसे निपटने के रास्ते भी सुझाए। इसलिए उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक था। मोदी ने वायुमंडलीय परिवर्तन, आतंकवाद और संरक्षणवाद दुनिया के सामने तीन सबसे बड़ी चुनौतियां बताई। दरारों से भरे विश्व में साझा भविष्य का निर्माण को रेखांकित करते हुए कहा कि नये-नये बदलावों से नई-नई शक्तियों से आर्थिक क्षमता और राजनीतिक शक्ति का संतुलन बदल रहा है। विश्व के सामने शांति-स्थिरता और सुरक्षा को लेकर नई और गंभीर चुनौतियां हैं। बहुत से बदलाव ऐसी दीवारें खड़ी कर रहे हैं, जिन्होंने पूरी मानवता के लिए शांति और समृद्धि के रास्ते को दुर्गम ही नहीं दु:साध्य बना दिया है। ये दरार, बंटवारा और बाधक विकास के अभाव की हैं, गरीबी की हैं, बेरोजगारी की हैं। यहीं पर उन्होंने भारतीय दर्शन को प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारत में अनादिकाल से हम मानवमात्र को जोड़ने में विास करते आए हैं, उसे बांटने में नहीं। हजारों साल पहले संस्कृत भाषा में लिखे गए ग्रंथों में भारतीय चिंतकों ने कहा-वसुधैवकुटुम्बकम यानी पूरी दुनिया एक परिवार है। यह धारणा निश्चित तौर पर आज दरारों और दूरियों को मिटाने के लिए ज्यादा सार्थक है। इस प्रकार की बातें इसके पहले उस मंच से सुनने को कहां मिलती थीं। जिन तीन चुनौतियों की उन्होंने चर्चा की उन पर भी विस्तार से अपनी बातें रखीं। वायुमंडल परिवर्तन पर कहा कि अतिवादी मौसम का प्रभाव दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। हर कोई कहता है कि कार्बन उत्सर्जन कम किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे कितने देश या लोग हैं, जो विकासशील देशों और समाजों को उपयुक्त तकनीक उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक संसाधन मुहैया कराने में मदद करना चाहते हैं। यह विकसित और संपन्न देशों की ओर इंगित सख्त टिप्पणी थी, जिसका मतलब है कि इसके बगैर यह संभव नहीं। हालांकि उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी ओर से 2020 तक 175 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है। 2016 में भारत और फ्रांस ने मिलकर इंटरनेशनल सोलर अलायंस के रूप में पहल की जो अब एक वास्तविकता है। इस भाषण में भी मुख्य थीम त्यागपूर्वक भोग के भारतीय दर्शन को प्रस्तुत करना रहा। इसी तरह आतंकवाद पर उन्होंने फिर अच्छे और बुरे आतंकवाद में भेद करने का मुद्दा उठाते हुए इसे खतरनाक बताया। संरक्षणवाद पर उनका निशाना ज्यादा तीखा था। उन्होंने उन देशों को आड़े हाथ लिया जो एक समय भूमंडलीकरण की वकालत करते थे और आज उसके विपरीत व्यापार पर अनेक प्रकार की बाधाएं खड़ी कर रहे हैं। कहा कि हर कोई अंतर्संबद्ध विश्व की बात करता है, लेकिन भूंडलीकरकण की चमक कम हो रही है। फिर यहां भी भारतीय विचार। हम उनके पूरे भाषण को यहां उद्धृत नहीं कर सकते, पर वे इतने सुगठित, तयों और कटु सच्चाइयों के साथ गहरे भारतीय दर्शन के उदाहरणों से भरे पड़े थे कि सुनने वाले मंत्रमुग्ध थे। इसका असर कितना होगा कहना कठिन है, लेकिन विश्व आर्थिक मंच पर इस तरह का भाषण पहली बार सुना गया। अंत में थीम को समेटते हुए चार मुख्य समाधान दिए, जिनमें एक विश्व की बड़ी ताकतों के बीच सहयोग और संबंध की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि साझा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए हमें अपने मतभेदों को दरकिनार करके एक व्यापक दृष्टि बनानी होगी। दूसरे, नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का पालन करना। तीसरा, विश्व के प्रमुख राजनीतिक और आर्थिक संस्थानों में सुधार की जरूरत। और चौथा, विश्व की आर्थिक प्रगति में और तेजी लाना। उनका यह कहना निश्चय ही सम्मेलन के अंत तक गूंजता रहा कि विश्व में तमाम तरह की दरारों को देखते हुए आवश्यक है कि हमारे साझा भविष्य के लिए हम कई दिशाओं पर ध्यान दें। शायद इसी का प्रभाव था कि डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका फर्स्ट का मतलब केवल अमेरिका से नहीं है, अमेरिका का सशक्त होना दुनिया के हित में है।

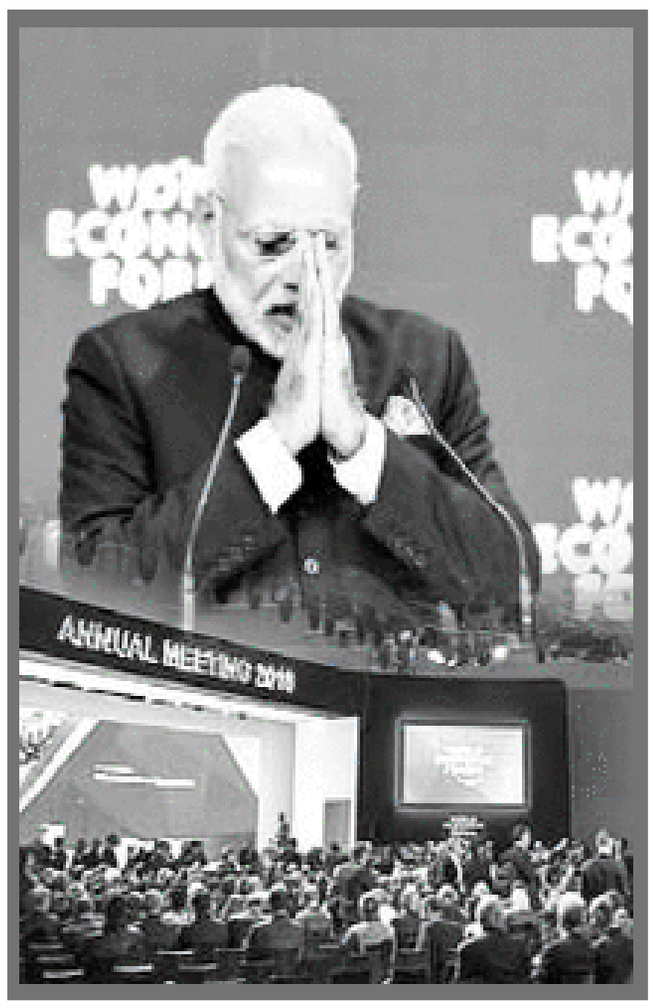

चलते चलते

गरीब छोटे पकौड़ा

मुसस-सब फिट है जी, सब मजे हैं जी। लंबी लाइनें लगी हैं पद्मावत फिल्म देखने वालों की। सौ करोड़ का आंकड़ा पार हो लिया फिल्म का। चंगा है जी सब चंगा है। सवाल-कमाल है, खेती के हाल ना दिख रहे आपको। वहां लोग परेशान हैं। मुसस-कुछ पढ़ते-लिखते नहीं हैं आप। चाय-काफी वाले खूब कमा रहे हैं। तुम कह रहे हो कि खेती वाले परेशान हैं। चाय-काफी वाले खेती वाले नहीं हैं क्या। सवाल-सर, आप मेरा मतलब नहीं समझे। खबरें आ रही हैं कि किसान आत्महत्या कर रहे हैं।

हाल-ए-अर्थव्यवस्था पर मुख्य सरकारी सलाहकार उर्फ मुसस से हुई बातचीत के कुछ खास अंश इस प्रकार हैं-सवाल-जी क्या हाल हैं अर्थव्यवस्था के। मुसस-सब फिट है जी, सब मजे हैं जी। लंबी लाइनें लगी हैं पद्मावत फिल्म देखने वालों की। सौ करोड़ का आंकड़ा पार हो लिया फिल्म का।

चंगा है जी सब चंगा है। सवाल-कमाल है, खेती के हाल ना दिख रहे आपको। वहां लोग परेशान हैं। मुसस-कुछ पढ़ते-लिखते नहीं हैं आप। चाय-काफी वाले खूब कमा रहे हैं। तुम कह रहे हो कि खेती वाले परेशान हैं। चाय-काफी वाले खेती वाले नहीं हैं क्या। सवाल-सर, आप मेरा मतलब नहीं समझे। खबरें आ रही हैं कि किसान आत्महत्या कर रहे हैं। मुसस-खबरें तो ये भी आती हैं कि नॉर्थ कोरिया का तानाशाह किम जोंग दो मिनट में परमाणु बम चला देगा, तो क्या हम उन पर यकीन कर लेते हैं। सवाल-आप गंभीर बात का मजाक कर रहे हैं। किसान आत्महत्या कर रहा है, उसकी हालत कैसे बेहतर होगी। मुसस-एक स्टडी में बताया गया था कि किसान तो व्यक्तिगत समस्याओं के चक्कर में आत्महत्या कर लेता है। इसका खेती से से क्या लेना देना ?सवाल-रोजगार के मसले पर क्या उम्मीद है?

मुसस-कुछ बड़ा सोचिए। हम ब्रांडेड पकौड़े की दिशा में कदम उठा सकते हैं। ब्रांडेड पकौड़े बनें, 1000 रुपये किलो बिकें, तो सबको मजे आएंगे। सवाल-सर पकौड़ों का ब्रांड कैसे बनाएंगे गरीब छोटे पकौड़ा कारोबारी ?मुसस-देखिए, ब्रांड तब बनता है, जब कैटरीना कैफ या सलमान खान बताते हैं कि ये पकौड़े खाकर हमने यह इनर्जी हासिल की।

सवाल-पर समझिये आप-हर बंदे में कारोबारी हुनर नहीं होता। हर बंदा ब्रांड नहीं बना सकता। मुसस-जो नहीं बना सकता, वह खाली टाइम में इंटरनेट यूटयूब, फेसबुक करे, इंटरनेट कितना सस्ता हो गया है ना।

फोटोग्राफी...

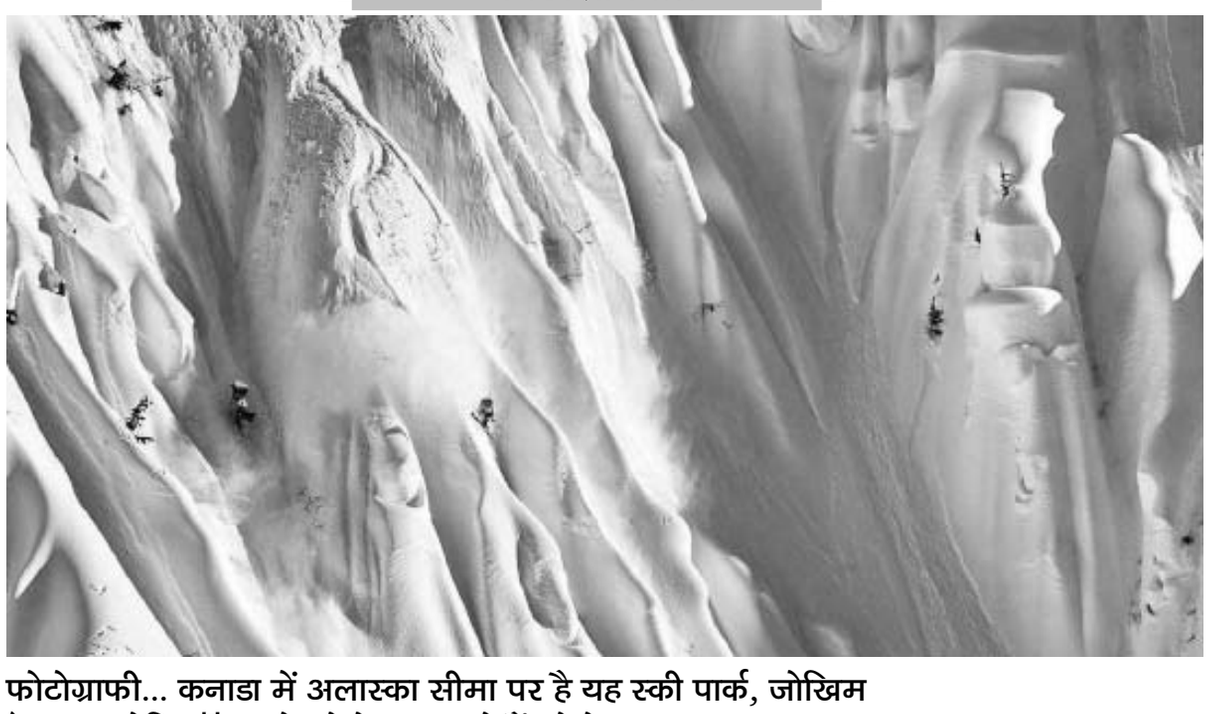

फोटोग्राफी... कनाडा में अलास्का सीमा पर है यह स्की पार्क, जोखिम के कारण हेलिकॉप्टर से फोटो शूट करते हैं फोटोग्राफर

यह फोटो दुनिया में स्की टूर के सबसे मशहूर ब्रिटिश कोलंबिया के स्की पार्क का है, जो अलास्का बॉर्डर पर है। यह फोटो स्वीडन के मेटिस फ्रेडरिक्सन ने क्लिक किया है, जो खुद भी क्रॉस कंट्री स्कीअर हैं। उन्होंने बताया कि बर्फ से ढंके पहाड़ पर चढ़ने में हमें काफी मुश्किलें आईं, पूरे रास्ते बर्फ में पैर धंस रहे थे इसीलिए काफी वक्त लग गया था लेकिन वह अद्भुत अनुभव था। मेटिस ने बताया कि वे वीडियो शूट करने गए थे, दो सप्ताह तक वहीं रहे लेकिन केवल चार दिन स्कीइंग कर सके क्योंकि मौसम तूफानी हो रहा था। यह फोटो हेलिकॉप्टर से क्लिक किया गया, जिसमें स्कीअर को नीचे आते देखना रोमांचक होता है। फोटो या वीडियो शूटिंग के वक्त जान का जोखिम सबसे अधिक होता है, इसलिए ऐसी जगहों पर सभी को फोटोग्राफी की इजाजत भी नहीं दी जाती।cnn.com

''गाय की रक्षा

गंगाधर तिलक के निधन के बाद स्वाधीनता आंदोलन को नये सिरे से संजोने की जिम्मेदारी संभाल रहे महात्मा गांधी 10 फरवरी, 1921 को वाराणसी में काशी विद्यापीठ के शिलान्यास के बाद ट्रेन से फैजाबाद पहुंचे तो उनका उद्देश्य अयोध्या जाकर साधुओं को आंदोलन से जोड़ना भी था। अपने आराध्य राजा राम की जन्मभूमि और राजधानी की गांधी जी की यह पहली यात्रा थी। 11 फरवरी की सुबह अयोध्या में साधुओं की सभा में उन्होंने कहा, ''भारतवर्ष में 56 लाख साधु हैं। ये 56 लाख बलिदान के लिए तैयार हो जाएं तो अपने तप तथा प्रार्थना से भारत को स्वतंत्र करा सकते हैं। लेकिन ये अपने साधुत्व के पथ से हट गए हैं। इसी प्रकार मौलवी भी भटक गएहैं। साधुओं और मौलवियों ने केवल हिन्दुओं तथा मुसलमानों को एक दूसरे से लड़ाया है। मैं दोनों के लिए कह रहा हूं..यदि आप अपने धर्म से वंचित हो जाएं, विधर्मी हो जाएं और अपना धर्म समाप्त कर दें, तब भी ईर का कोई ऐसा आदेश नहीं हो सकता जो आपको ऐसे दो लोगों के बीच शत्रुता उत्पन्न करने की अनुमति दे, जिन्होंने एक दूसरे के साथ कोई गलती नहीं की है।' वे यहीं नहीं रुके। कहा, ''मैंने हरिद्वार में साधुओं से कहा था कि गाय की रक्षा करना चाहते हैं तो मुसलमानों के लिए अपनी जान दें। आज फिर अपील करता हूं कि साधु गाय की रक्षा करना चाहते हैं, तो खिलाफत के लिए जान दे दें..वे गाय की रक्षा के लिए मुसलमानों की हत्या करते हैं, तो उन्हें हिन्दू धर्म का परित्याग कर देना चाहिए। हिन्दुओं को इस प्रकार के निर्देश कहीं भी नहीं दिए गए हैं..कलकत्ता के हमारे मारवाड़ी बंधुओं ने मुझसे कसाइयों के हाथों से दो सौ गायों की रक्षा के लिए कहा। मैंने कहा कि मैं एक भी गाय की रक्षा नहीं करूंगा, जब तक कसाइयों को यह न बता दिया जाए कि वे बदले में कौन-सा दूसरा पेशा अख्तियार करें क्योंकि वे जो करते हैं, हिन्दुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं करते..बंबई में क्या हुआ? वहां कसाइयों के पास सैकड़ों गायें थीं। कोई भी हिन्दू उनके पास नहीं गया। खिलाफत कमेटी के लोग गए और कहा कि यह ठीक नहीं है। वे गायों को छोड़ दें और बकरियां खरीदें। कसाइयों ने सब गायें समर्पित कर दीं। किसी को भी एक पैसा नहीं देना पड़ा। इसे गाय की रक्षा कहते हैं।' उन्होंने साफ किया, ''गाय की रक्षा का तात्पर्य किसी जानवर की रक्षा से नहीं है। ''इसका तात्पर्य निर्बल एवं असहाय की रक्षा से है, और ऐसा करके ही भगवान से अपनी रक्षा के लिए प्रार्थना करने का अधिकार मिल सकता है। भगवान से अपनी रक्षा की प्रार्थना करना पाप है, जब तक कि हम कमजोरों की रक्षा नहीं करते।' अंत में वे बोले, ''संस्कृत के विद्यार्थी यहां आए हुए हैं। मैं उनसे कहता हूं कि अपने मुसलमान भाइयों के लिए जीवन का बलिदान करें.. फैजाबाद के ऐतिहासिक घंटाघर पर शहनाई बज रही थी-हमें आजाद कराने को गांधी जी आते हैं। लेकिन ट्रेन आई और स्थानीय कांग्रेसियों के दो नेता-आचार्य नरेन्द्र देव और महाशय केदारनाथ-गांधी जी के ''कूपे' में गए तो पाया कि उन्होंने अपने आसपास की खिड़कियां बंद कर ली हैं, और किसी से बात करने तक से मना कर दे रहे हैं। उन दिनों अवध में चल रहा किसान आंदोलन खासा उत्पाती हो चला था, और उसूलों व सिद्धांतों से ज्यादा युद्धघोष की भाषा समझता था। फैजाबाद जिले के किसानों ने तो बेहद हिंसक तेवर अपनाकर परगना बिड़हर के तालुकेदारों और जमींदारों के घरों में आगजनी, लूटपाट तक कर डाली थी। बापू मोटर पर सवार होकर जुलूस के साथ चले तो देखा-खिलाफत आंदोलन के अनुयायी हाथों में नंगी तलवारें लिए उनके स्वागत में खड़े हैं। उन्होंने वहीं तय कर लिया कि अपने भाषण में हिंसक किसानों के साथ इन अनुयायियों की भी भर्त्सना करेंगे।

दिल्ली का गुड़ियाघर

बच्चों क्या आपने दिल्ली का गुडियाघर देखा है? दिल्ली के नेहरू भवन में स्थापित यह विशाल गुडियाघर आप बच्चों को चाचा नेहरू का उपहार है. इस गुडियाघर की शुरुआत तो प्रसिध्द कार्टूनिस्ट के शंकर पिल्लै ने की थी, उनकी कोशिशों के बिना गुडियाघर नहीं बन सकता था, पर चाचा नेहरू के भी प्रयासों के बाद आज ये संसार के मशहूर संग्रहालयों में गिना जाता है।

कार्टूनिस्ट शंकर नेहरू जी के साथ रहने वाले पत्रकारों के समूह में थे जब नेहरू जी प्रधानमंत्री थे। वे चाचा नेहरू के साथ देश विदेश जाते और वहां से तरह तरह की गुडियाएं इकट्ठी करते। जब उनके पास 500 गुडियां इकट्ठी हो गयीं तब उन्होंने उन्हें देश भर के बच्चों को दिखाना चाहा और उन्होने देश के कई स्थानों पर बच्चों के चित्रों के साथ इन गुडियों की प्रर्दशनियां भी आयोजित कीं। लेकिन इस प्रयास में उन्हें कई कठिनाईयों का सामना करना पडता था। बार बार बांधने, खोलने और यहां से वहां ले जाने में उन गुडियों की टूर्टफूट हो जाती जिससे शंकर को बहुत दुःख पहुंचता।

ऐसे ही एक बार चाचा नेहरू दिल्ली में उनकी प्रदर्शनी देखने बिटिया इंदिरा के साथ पहुंचे। तब शंकर ने गुडियों को हुए नुकसान के बारे में उन्हें बताया। तब चाचा नेहरू ने उन्हें सुझाव दिया कि क्यों न इन गुडियों का कोई स्थायी संग्रहालय बना दिया जाए। तब इसके बाद जब दिल्ली में चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट के भवन का निर्माण हुआ तब उसका एक भाग गुडियाघर के लिये सुरक्षित कर दिया गया।

बहादुरशाह जफ़र मार्ग पर बने इस भवन में यह गुडियाघर 5185 वर्गफीट स्थान में फैला है, जो दो हिस्सों में बंटा है। हर 1000 फीट की लम्बाई में दीवारों पर 160 से ज्यादा कांच के केस बने हुए हैं। एक हिस्से में इंग्लैण्ड, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड और अन्य यूरोपीय देशों की गुडियाएं प्रदर्शित की गई हैं, वहीं दूसरे हिस्से में ऐशियाई देशों, मध्यपूर्व, अफ्रीका तथा भारत की गुडियाएं सजा कर रखी गई हैं।

इस गुडियाघर की शुरुआत 1000 गुडियों से हुई थी आज यहां देशविदेश की 6500 गुडियाओं का संग्रह है। अगर आप दिल्ली जाएं तो इसे देखना न भूलना।

ऐसा स्कूल जहां छात्र सब्जियां उगाते हैं

आमतौर पर अगर तुम स्कूल के बारे में सोचोगे तो क्या। स्कूल जहां बच्चे पढ़ाई करते हैं। शिक्षा प्राप्त करते हैं। लेकिन क्या कभी तुमने ऐस स्कूल देखा है। जहां बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ सब्जियां भी उगाते हैं। आओ आज हम तुम्हें इसके बारे बताते हैं।

अमेरिका में कोलोराडो स्थित सोपरिस एलिमेंट्री स्कूल के छात्र स्कूल में ही अपने लिए सब्जियां उगाते हैं। इस स्कूल के पांचवें ग्रेड के एक शिक्षक ने स्कूल में ग्रीनहाउस के लिए योजना बनाने में मदद की है। इस कार्यक्रम को वहां के स्थानीय बैंक और व्यापारियों का समर्थन मिला। एक फाउंडेशन ने इस योजना के लिए 5000 अमेरिकी डॉलर का कर्ज भी मुहैया कराया। इस स्कूल ने अपने यहां एक सोलर हीट सिस्टम भी लगाया है, ताकि सर्दियों में ग्रीनहाउस में पौधों को गर्मी प्रदान की जा सके। इसमें 400 बच्चे नियमित रूप से पौधों की देखभाल करते हैं। पिछले महीने स्कूल के छात्रों ने सब्जियों की पहली फसल काटनी शुरू की थी। इसमें खीरा, मूली और पालक आदि शामिल थे। 11 साल की एक छात्रा हनाह जुल कहती है कि फसल काफी अच्छी है। हम इसे उगाने के दौरान ढेर सारी मस्ती भी करते हैं। स्कूल के एक शिक्षक का कहना है कि स्कूल के बगीचे ने बच्चों को घरों में पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया है।

शुतुरमुर्ग की बेवकूफी

बहुत पहले की बात है जब ईश्वर सृष्टि के निर्माण में अब भी व्यस्त थे। ईश्वर का एक सहयोगी था वह संसार को अग्नि देने के पक्ष में नहीं था। उसे लगता था कि इस अग्नि से सांसारिक जीव स्वयं का ही ना नष्ट कर लें। पर आग तो पांच तत्वों में एक है और उसे संसार को देना आवश्यक था तो उन्होंने निर्णय लिया कि आग तो दे दी जाए संसार को लेकिन शुतुरमुर्ग को आग की रखवाली के लिये तैनात कर दिया जाए ताकि कोई आग से न खेल सके। उसने सोचा कि जो भी शुतुरमुर्ग जैसे बहुत वफादार और अनुशासन प्रिय जानवर से किसी तरह आग ले जाने में सफल भी हो गया तो वह इतना चतुर अवश्य होगा कि आग को संभाल लेगा। उसने शुतुरमुर्ग को जरूरी हिदायतें दीं और वह अपने इंतजाम से संतुष्ट हो कर स्वर्ग लौटकर दूसरे रचनाओं के काम में लग गया।

शुतुरमुर्ग ने आग को खूब छिपा कर रखा अपने एक पंख के नीचे। लेकिन जो पहला आदिमानव था उसे पता चल गया कि वह आग को कहां छिपा कर रखता है और उसे अनुमान हो गया कि वह छिपा कर रखी गई आग कितनी काम की चीज है। वह आग पाना चाहता था, वह उसमें अपना भोजन पकाना चाहता था, उसकी गर्मी से वह रातों को अपनी गुफा गर्म करना चाहता था, और उसके प्रकाश से डरावने शिकारी जानवरों को भी वह अपने से दूर रख सकता था। कितना अच्छा होगा उसके और उसके परिवार के लिये कि उनके पास थोडी सी आग हो। आदिमानव ने सोच समझ कर शुतुरमुर्ग से आग चुराने की योजना बना ली।

अगले दिन आदिमानव जो कि जानवरों से बात करना जानता था शुतुरमुर्ग के पास पहुंचा, उसे विनम्रता से अभिवादन किया, शुतुरमुर्ग ने उसे घूर कर शक की निगाहों से देखा।

ओह महान और बुध्दिमान शुतुरमुर्ग जीसारे पक्षियों के महाराज, मेरे पास आपके लिये एक अच्छी खबर है।

सच! वह क्या ? शुतुरमुर्ग ने रुचि ली।

ओह विशाल, भव्य पक्षी, मैं ने कल रात एक सपना देखा, वह यह कि आप उड सकते हैं।

शुतुरमुर्ग को लगा वह मजाक बना रहा है तो उसने आंखें तरेर कर उसे देखा।

वो कैसे?

मैं सपने में जाना कि आपको उडने का उपहार मिल सकता है अगर आप एक उपाय करें।

क्या।

अगर आप सुबह सूर्योदय से पहले तेज हवा में अपने पंख फैला कर खडे हो जाएं और सपने में मैंने जाना कि आप अपनी आंखें बन्द कर लें और दौड क़र बाज की तरह उपर उठ कर उडने का प्रयास करें तो उडान आपको उपहार में मिल जाएगी।

शुतुरमुर्ग को एक यही बात तो अखरती थी कि सबसे बडा पक्षी होने के बावजूद भी वह उड नहीं पाता, जबकि उसके पंख इतने बडे और शक्तिशाली हैं। वह इस बात को मानने के लिये विवश हो गया, क्योंकि यही तो उसकी प्रिय इच्छा थी।

अगले ही दिन वह सूर्योदय के पहले एक ऊंची पहाडी पर ठंड में आखें कस कर बन्द करके और पंख फैला कर खडा हो गया।

उसे खडे ख़डे ज़ब कुछ देर हो गई तो आदिमानव चुपके से आया और उसके पंखों के नीचे से आग चुरा ली और तेज रफ्तार में भाग खडा हुआ। शुतुरमुर्ग पूरे दिन खडा रहा पर उडना उसे नहीं मिला उपहार में।

इस तरह आदिमानव ने हम मानवों को आग लाकर दी जो कि इतनी काम की चीज़ है, पर ईश्वर के सहयोगी को जो डर था कि आग का गलत इस्तेमाल न हो वह गलती कभी कभी इन्सान कर बैठता है। हमें उसकी हिदायत याद रखनी होगी कि हम कितने भी समझदार हो जाएं किन्तु इस आग से दुनिया ही न नष्ट कर बैठें।

खैरहां उस दिन शुतुरमुर्ग बडा दुखी हुआ कि उडना तो उसे आया ही नहीं और उसकी बेवकूफी से उससे आग और छिन गई। तब से इस सदमे से उसका दिमाग कमजोर हो गया और याददाश्त कमजोर हो गई।

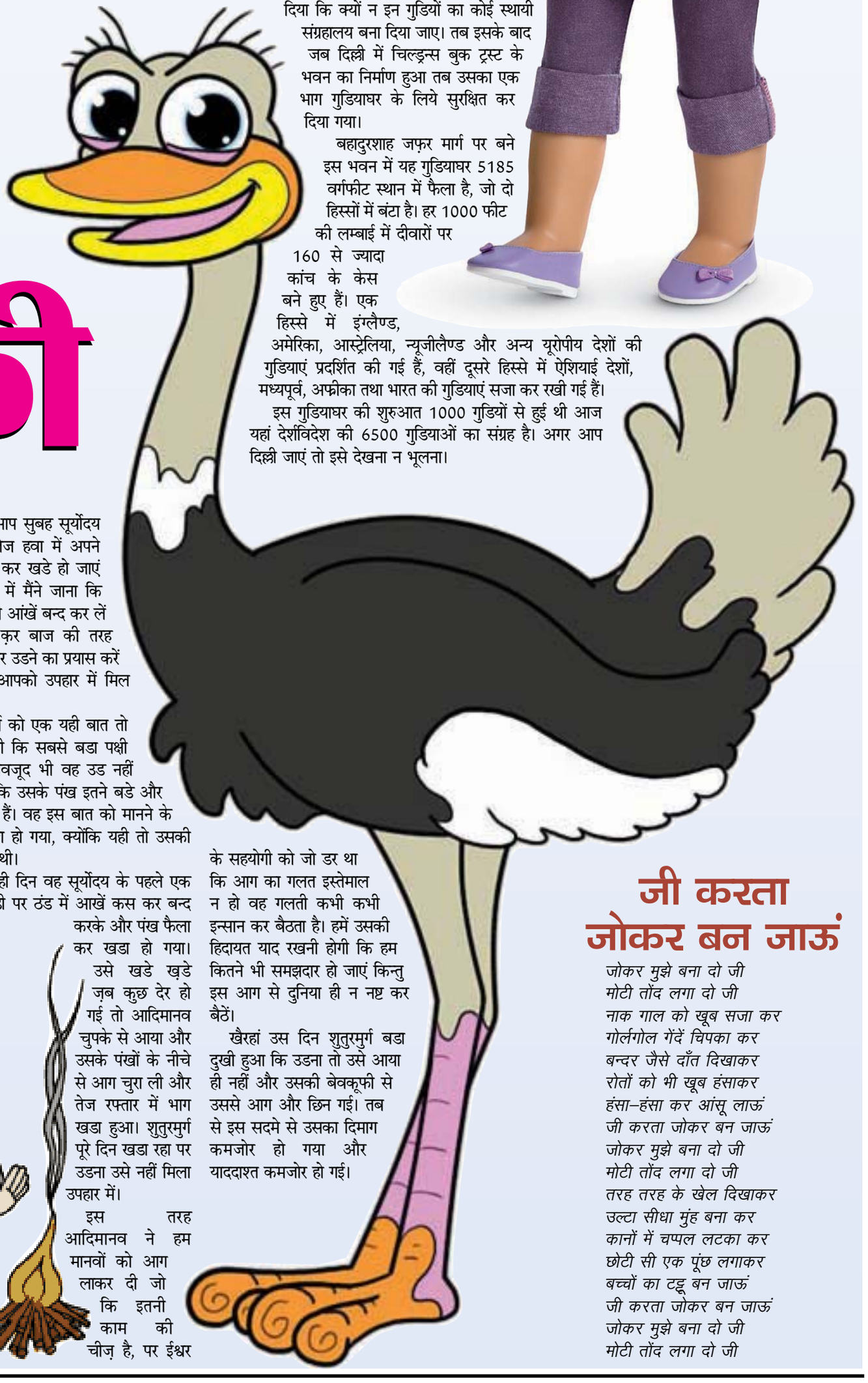

जी करता जोकर बन जाऊं

जोकर मुझे बना दो जी
मोटी तोंद लगा दो जी
नाक गाल को खूब सजा कर
गोलगोल गेंदें चिपका कर
बन्दर जैसे दाँत दिखाकर
रोतों को भी खूब हंसाकर
हंसा–हंसा कर आंसू लाऊं
जी करता जोकर बन जाऊं
जोकर मुझे बना दो जी
मोटी तोंद लगा दो जी
तरह तरह के खेल दिखाकर
उल्टा सीधा मुंह बना कर
कानों में चप्पल लटका कर
छोटी सी एक पूंछ लगाकर
बच्चों का टट्टू बन जाऊं
जी करता जोकर बन जाऊं
जोकर मुझे बना दो जी
मोटी तोंद लगा दो जी

जीएसटी से अर्थव्यवस्था में भारी वृद्धि

संवाददाता, सूरत। नोटबंदी और जीएसटी के क्रियान्वयन से डगमगाई अर्थव्यवस्था फिर से फर्राटा भरने लगी है। भारत अगले वित्त वर्ष में दुनिया की सबसे तेज वृद्धि वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन सकता है। जीएसटी के बाद सरकार की उपलब्धि प्राप्त हो गई ,लेकिन देश का कपड़ा उधोग उसी तरह धराशाही हो गया ,जिस तरह बालू की रेत से बनाया गया घर। सरकार ने अभी तक टेक्सटाइल्स उधोग की मांगो की तरफ ध्यान नहीं दिया है। गुजरात में सूरत कपड़ा उधोग के लिए जाना जाता है। लिहाजा ,कपड़ा बाजार में क्रय -विक्रय की कोई बड़ी गुंजाइश नहीं दिख रही है। साडिया ,ड्रेस मटेरियरल और जरी उधोग के लिए मशहूर कपड़ा उधोग अस्ताचल की और डगमगा रहा है। जीएसटी की मार से कपड़ा उधोग मंदी की मार झेल रहा है। नई कर प्रणाली अमल में आई है ,वहा उत्पादन दस फीसदी हो गया है साडिया देश विदेश में सप्लाई होती थी ,उसमे भी मंदी व्याप्त है। जीएसटी काउंसिल की मीटिंग के बाद भी कर प्रणाली में सुधार नहीं होना इस बात का धोतक है कि सरकार को कपड़ा उधोग से कोई औचित्य नहीं है। वित मंत्री अरुण जेटली ने आर्थिक सर्वेक्षण 2017 -18 लोकसभा में पेश किया। उसमे उनके आंकड़े बताते है कि जीएसटी के बाद आर्थिक आय करीब डेढ़ गुना बढ़ गई है। 98 लाख नए पंजीकरण हुए है ,लेकिन देश का कपड़ा बाजार बंद होने की कगार पर है उसकी सुध क्यों नहीं ले रहा है ?जीएसटी से परोक्ष कर आधार में पचास फीसदी वृद्धि हुई है ,यूपी और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य भी जीएसटी के पंजीकरण करने में आगे आए है ,जबकि गुजरात का कपड़ा उधोग मरणासन में है और सूरत से जीएसटी के बाद 55 फीसदी राजस्व में कमी आई हैं ,उसके उपरांत सरकार का वित मंत्रालय इस बात पर भरोसा क्यों नहीं कर रहा है कि सूरत में कर प्रणाली में सुधार की जरुरत है। पांच राज्यों से विशेष निर्यात होता है ,जिसमे गुजरात सबसे ज्यादा निर्यात करने वाला राज्य है। जीएसटी के बाद माल का निर्यात भी कम हो गया है। सूरत का कपड़ा उधोग देश में सबसे अधिक राजस्व अदा करने वाला राज्य है ,लेकिन जीएसटी के बाद उत्पादन में भारी कमी आई है। अभी लग्नसरा की सीजन शुरू होने वाली है। उसके बाद भी कपड़ा उधोग में मंदी व्याप्त है। जिस शहर में आय का स्त्रोत नहीं होता है ,उससे व्यापारी इंवेष्टमेन्ट करने में भी घबराते है। अरबो रूपये का इंवेष्टमेन्ट किया हुआ है। मगर आज कपड़ा उधोग सरकार की गलत नीति के कारण करोबार बंद करने की कगार में है। चुनाव के समय हिंदी भाषी राज्यो से नेताओ को वोट करने की सिफारिश करने केंद्र सरकार ने भेजे थे ,उन नेताओ ने भाजपा को मतदान करने का अनुरोध किया था। व्यापारियों को कर प्रणाली के लिए सरकार से बात करने का भरोसा भी दिलाया था , लेकिन वो आज कहा है ? व्यापारियों को कोई अंदाजा नहीं है। गुजरात और देश का कपड़ा उधोग सरकार अगर सही मायने में बचाना चाहती है तो सरकार को अबकी बार व्यापारी और उधोगपतियो की बात सुननी पड़ेगी।

...मनपा का खेल निराला

सड़क चौड़ीकरण के लिए कहीं आशियाना ध्वस्त तो कहीं रास्ते को कर रहे संकरा

संवाददाता, सूरत। मनपा का खेल अजब निराला है। मनपा और यातायात विभाग शहर को ट्रॉफिक मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। शहरी जन को जाम से निजात दिलाने के लिए मनपा ने सड़क चौड़ीकरण कार्य तेज कर दिया है जिसमें बाधक बने मकानों को ध्वस्त कर सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। लेकिन वहीं मनपा प्रशासन की मंशा पर सवालिया निशान भी उठने लगे हैं। मनपा प्रशासन ने आईमाता चौक पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए बीआरटीएस रूट पर बने मकानों को ध्वस्त कर सड़क चौड़ीकरण की कार्यवाही तेज कर दी। लेकिन मनपा द्वारा आईमाता सर्किल सिग्नल के पास क्रॉस रोड रेस्टोरेंट के सामने सड़क को संकरा कर लोहे की रेलिंग लगाने का काम चल रहा है। जिससे सिग्नल से लेकर कबूतर सर्किल व सम्राट स्कूल के सामने काफी देर तक जाम लगा रहता है। इस जाम में काफी देर तक स्कूली वाहन फंसे रहते हैं। जिससे स्कूली बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस जाम को लेकर स्थानीय दुकानदारों व निवासियों में काफी आक्रोश दिखाई दिया।

आईमाता चौक पर जाम में काफी देर तक फंसे रहते हैं स्कूली बच्चे

जाम को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश

इनका कहना है :-
मनपा की ओर से आई माता चौक पर लगाए जा रहे रेलिंग से काफी जाम लगने लगा है। मनपा प्रशासन की मंशा क्या है यह समझ के परे है। यदि मुख्य चौराहे पर जाम लगवाना था तो मनपा द्वारा सड़क चौड़ीकरण के नाम पर गरीबों व मध्यम वर्गीय दुकानदारों के दुकान व मकान क्यों ध्वस्त किया। - **जितेंद्र सिंह**

रेलिंग लगने से आई माता चौक पर घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। इस जाम में स्कूली बच्चे, एम्बुलेंस व जरूरी काम से जा रहे वाहन चालक फंसे रहते हैं। क्रॉस रोड रेस्टोरेंट के सामने मनपा को लोहे की रेलिंग लगाने का औचित्य क्या है। मनपा को जब चौराहे पर जाम लगाना है तो फिर सड़क चौड़ीकरण के नाम पर लोगों के मेहनत से बनाए घरों व दुकानों को गिराना बंद करना चाहिए। इस कार्यवाही से मनपा की दोहरी नीति उजागर हो रही है। किसी को बेघर करना और किसी को लाभ पहुंचाना। - **प्रदीप भाई**

पतंग उड़ाते समय छत से गिरने और करंट लगने से दो की मौत

संवाददाता, सूरत। शहर में पतंग उड़ाते समय हुई दुर्घटना में अमरोली के कोसाड में गिरने से बालक की और भिंडी बाजार उन पाटिया में पतंग उड़ाते समय बिजली का करंट लगने से एक बालक की मौत होने की जानकारी मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोली के कोसाड आवास बिल्डिंग नं. 14/ए/21 में रहने वाले अरविंदभाई पाटिल का 8 वर्षीय पुत्र जिग्रेश घर की छत पर पतंग उड़ा रहा था। उसी समय अचानक वह बिल्डिंग से नीचे गिर गया। जिसको गंभीर हालत में इलाज के लिए जीवन ज्योति अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसी तरह की दूसरी घटना में भिंडी बाजार उन पाटिया के निवासी नाजिर मुबारक अंसारी (10 वर्ष) गत 19 तारीख को घर की छत पर पतंग उड़ाते समय करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गया था। जिसको इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती करने के बाद गहन इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां पर मंगलवार को इलाज के दौरान नाजिर की मौत हो गई।

आयकर विभाग का ओपन हाउस आज

सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक व्यापारी मुख्य आयकर आयुक्त मिल सकेंगे

संवाददाता

सूरत। सूरत स्थित आयकर विभाग की ओर से बुधवार को आयकर विभाग के मुख्य आयुक्त से मिलने के लिए एक घंटे के लिए ओपन हाउस का आयोजन किया गया है। इस समयावधि में हीरा व्यापारी व कपड़ा व्यापारी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आयकर भवन के तीसरे मंजले पर स्थित आयकर आयुक्त अजय दास मल्होत्रा से मिल सकते हैं। ओपन हाउस का आयोजन विभागीय काम काज में सुधार व करदाताओं की समस्याओं के समाधान के लिए किया गया है।

फागोत्सव पर भजन संध्या 4 को

संवाददाता, सूरत। शहर के पांडेसरा रोड पर स्थित अलथाण, रामेश्वरम ग्रीन, ए-403, डी मार्ट के सामने ओंकारमल गाड़ोदिया के निवास स्थान पर 4 फरवरी को श्री श्याम फागोत्सव एवं श्याम भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। शाम 7.30 बजे से आरम्भ कार्यक्रम रात के 11.15 बजे तक अनवरत चलता रहेगा।

इस कार्यक्रम में भजनों की प्रस्तुति पवन मुरारका, राकेश अग्रवाल और राजू गाडोदिया देंगे। आयोजकों ने इस कार्यक्रम में तमाम श्याम प्रेमियों को शामिल होने के लिए आग्रह किया है।

शहर में फांसी लगाकर सात लोगों ने की आत्महत्या

संवाददाता, सूरत। सूरत शहर में प्राय: हर दिन आत्महत्या करने की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं। शहर के विविध स्थलों पर फांसी लगाकर आत्महत्या करने की घटनाओं में नवागांव डिंडोली क्षेत्र में दो, लिंबायत और उधना में दो-दो और सरथाणा में एक सहित कुल सात लोगों द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की घटना स्थानीय पुलिस स्टेशनों में दर्ज हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नवागांव डिंडोली के रामदेव नगर प्लॉट नं. 147, रुम नं. 3 में रहने वाले अमरकांत पप्पूसिंह की पत्नी खुश्बू देवी (25 वर्ष) ने अपने पति से साड़ी लाने के लिए कही थी। लेकिन उनके पति अमरकांत साड़ी नहीं लाए। जिससे नाराज होकर खुश्बू ने घर में साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

उधना के दो मामलों में श्रीराम कुटीर चीकूवाड़ी के बगल घर नं. 169 रहने वाले ईश्वरभाई गुलाबभाई पाटिल (38 वर्ष) ने गत रोज देर शाम को किसी कारणों से अपने घर में पाइप से फांसी लगी हुई हालत में दिखाई देने पर उनके रिश्तेदार इलाज के लिए सिविल अस्पताल में ले गए जहां पर चिकित्सकों ने ईश्वरभाई को मृत घोषित कर दिया। उधना के विकास नगर घर नं. 1204 टीवी कम्पाउन्ड के बगल रहने वाले भावेश राजूभाई राठौड (26 वर्ष) ने गत रोज अपने घर में किसी कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

फांसी लगा आत्महत्या करने की दो घटना लिंबायत में भी हुई है। जिसमें लिंबायत बालाजी नगर घर नं. 86 गोडादरा के रहने वाले रमेशभाई पटेल के 17 वर्षीय बेटे कृष्णा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। वहीं वल्लभ निवास अंकुर अपार्टमेंट के पीछे गुरुनगर के पीछे परवतगांव के घर नं. 205 में रहने वाले प्रकाश उर्फ राजू शांतिलाल पटेल (47 वर्ष) ने गत रोज अपने घर में छत के हुक के साथ रस्सी बांधकर फांसी पर झूल गए। बताया जाता है कि प्रकाशभाई पिछले काफी समय से कोई काम नहीं कर रहे थे। जिससे नौकरी न मिलने के तनाव में उन्होंने ऐसा कदम उठा लिया।

अन्य एक घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार सरथाणा की शिवदर्शन सोसाइटी के बगल राधेपार्क सोसाइटी 115 में रहने वाले विपुलभाई रामोलिया की पत्नी पूजाबेन (22 वर्ष) को गत रोज शाम चार बजे पंखा के साथ फांसी पर लटकती हुई बेहोशी की हालत में मिलने पर इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने पूजा को मृत घोषित कर दिया।

स्टेट ई-वे-बिल समाप्त होने से कपड़ा व्यापारियों में हर्ष

प्रदेश सरकार के फैसले का किया स्वागत, बांटी मिठाइयां

संवाददाता, सूरत। बीते दिन प्रदेश सरकार ने एक परिपत्र जारी कर एक फरवरी से लागू होने वाले स्टेट जीएसटी में ई-वे-बिल अनिवार्यता को समाप्त कर दी। प्रदेश सरकार के इस निर्णय से कपड़ा व्यापारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। कपड़ा मार्केट के अभिषेक, मूलचंद, अरिहंत आवास मार्केट, जेजे मार्केट, एसटीएम मार्केट, तिरूपति मार्केट सहित अन्य मार्केटों के व्यापारियों ने सरकार द्वारा कपड़ा व्यापार हित में लिए गए इस निर्णय का स्वागत किया और देर रात तक एक दूसरे व्यापारियों से मिलकर मुंह मीठा कराया। एनटीएम मार्केट में कपड़ा कारोबार करने वाले बजरंग भाई खंडेलवाल ने कहा कि सरकार द्वारा फेब्रिक पर से स्टेट जीएसटी में ई-वे-बिल लागू न कर दमतोड़ रहे कपड़ा कारोबार को संजीवनी दे दी है। अब केंद्र सरकार से भी देश में लागू जीएसटी से ई-वे-बिल अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग की। जिससे बे पटरी हो चुके कपड़ा व्यापार को पुन: विकास की पटरी पर लाया जा सके।

बापू के जन्मस्थल कीर्तिमंदिर का खस्ताहाल

पोरबंदर (ईएमएस)। आज अहिंसा के पूजारी महात्मा गांधीजी का निर्वाण दिवस है। बापू का जहां जन्म हुआ था वह कीर्तिमंदिर खस्ताहाल है। कीर्तिमंदिर की दीवारों पर सीलन पड़ गई है और जगह-जगह दरारें पड़ी हुए है। बिल्डिंग की तत्काल मरम्मत कराने की पर्यटक व स्नाथीय लोगों की मांग है। 30 जनवरी को महात्मा गांधीजी का निर्वाण दिवस है। आज के ही दिन गांधीजी की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। आज का दिन शहीद के दिवस के रुप में भी मनाया जाता है। गांधीजी का जन्म पोरबंदर में हुआ था। उनकी जन्मस्थली कीर्तिमंदिर की मुलाकात पर देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। कीर्तिमंदिर की मुलाकात पर आनेवाले हजारों पर्यटक विजीटर बुक में अपना अनुभव लिखते हैं।

जनसेवा और जीवसेवा को समर्पित है संतराम मंदिर: मुख्यमंत्री

खेड़ा (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मंगलवार को नड़ियाद स्थित सुप्रसिद्ध धर्म स्थल संतराम मंदिर में १८७वें समाधि महोत्सव के अवसर पर आयोजित पवित्र साकरवर्षा उत्सव में शिरकत की। उन्होंने संतराम सेवा परंपरा के आद्यस्थापक योगीराज श्री संतराम महाराज के समाधि स्थल पर श्रद्धापूर्वक वंदना की।

विधवाओं के कर कमलों से शादी समारोह का शुभारंभ

सूरत (ईएमएस)। गुजरात के सूरत में रविवार को 261 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। इस समारोह का शुभारंभ विधवा महिलाओं के हाथों से कराया गया। विधवा महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कर सामूहिक विवाह समारोह का औपचारिक उद्घाटन किया। आयोजकों का कहना है कि सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने और विधवा महिलाओं को सामाजिक मान्यता दिलाने के लिए यह पहल की है। सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज के 59 में आयोजन में उपस्थित लगभग 50000 लोग इस व्यवस्था के गवाह बने।

रुपए नहीं देने पर पति ने पत्नी को जिंदा जला दिया

वडोदरा (ईएमएस)। शहर के आजवा रोड स्थित एकतानगर में जुआ खेलने के लिए रुपए देने से इंकार करने पर पति ने पत्नी को जिंदा जला दिया। गंभीर हालत में महिला को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक 25 वर्षीय बिजलीकौर की शादी वडोदरा के आजवा रोड स्थित एकतानगर निवासी गुलजारसिंह सिकलीगर के साथ हुई थी। छुटपुट काम करनेवाल गुलजारसिंह को जुआ खेलने की आदत थी, जिसकी वजह से पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई हुआ करती थी। गत शनिवार की रात बिजलीकौर और उसके बच्चे घर में थे। उस वक्त 9.30 बजे गुलजारसिंह घर आया और बिजलीकौर से जुआ खेलने के लिए रुपयों की मांग की। लेकिन बिजलीकौर ने रुपए देने से इंकार कर दिया। जिससे गुस्साए गुलजारसिंह ने बिजलीकोर पर केरोसिन छिड़क दिया और उसे आग के हवाले कर दिया। आग की लपटों में घिरी बिजलीकौर की चीखपुकार उसके जेठ-जेठानी समेत आसपास के लोग दौड़ पडे। बिजलीकौर के शरीर पर लगी आग बुझाकर उसे शहर के सयाजी अस्पताल पहुंचाया। जहां से एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां आज सुबह बिजलीकौर की मौत हो गई।

गोधरा कांड का वांटेड आरोपी 16 साल बाद गिरफ्तार

पंचमहल (ईएमएस)। गोधरा रेल अग्निकांड के वांटेड आरोपी याकूब अब्दुल पातलिया को गोधरा पुलिस ने शहर से गिरफ्तार कर लिया। रेल अग्निकांड में 20 बच्चों समेत 58 लोगों की मौत हो गई थी। 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस में कई कार सेवक अयोध्या से गुजरात की ओर लौट रहे थे। गोधरा रेलवे स्टेशन से रवाना हुई साबरमती एक्सप्रेस एकाद किलोमीटर आगे बढ़ी थी कि किसी ने संकट समय की जंजीर खींच ली और ट्रेन गोधरा के सिग्नल फलिया के नाम से जाने जाते क्षेत्र में रुक गई। ट्रेन के रुकते ही बाहर खड़ी लोगों की भीड़ ने साबरमती एक्सप्रेस के कोच एस-6 पर पेट्रोल छिड़का और उसमें आग लगा दी। कोच से कोई बाहर नहीं निकले इसके लिए भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। कोच में बैठे यात्रियों ने पथराव से बचने के लिए कोच के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर दीं। पथराव से बचे यात्रियों की आग में जलकर मौत हो गई। जिसमें 20 बच्चे, 15 महिलाएं और 23 पुरुषों समेत 58 लोगों की मौत हो गई थी।

22 साल पुराने धोतीकांड में तोगडिया समेत सभी आरोपी दोषमुक्त

अहमदाबाद (ईएमएस)। यहां की मेट्रो पोलिटन कोर्ट ने 22 वर्ष पुराने धोतीकांड में डॉ. प्रवीण तोगड़िया और भाजपा नेता बाबू जमना पटेल समेत 39 आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। इस मामले में जनवरी के प्रारंभ में तोगडिया समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। वारंट जारी होने के बाद अदालत में पेश होने पर सभी आरोपियों को जमानत मिल गई थी। वर्ष 1996 में केशूभाई पटेल की सरकार के गठन के बाद शंकरसिंह वाघेला ने बगावत कर दी थी और भाजपा के 48 विधायकों को खजुराहो रवाना कर दिया था। जिसकी वजह से केशूभाई पटेल सरकार गिर गई और सुरेश मेहता के हाथ राज्य के सत्ता की कमान आ गई। बाद में अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में हुए एक समारोह में शंकरसिंह वाघेला समर्थक गुट ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और मंत्री आत्माराम पटेल की धोती खींच ली थी और उनके साथ मारपीट की गई थी। इस मामले में पुलिस ने विहिप नेता डॉ. प्रवीण तोगडिया समेत 39 नेताओं के खिलाफ हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया था।

मुसाफिरों से लदा टेम्पो पलटा, १५ मुसाफिर जख्मी

बनासकांठा (ईएमएस)। जिले के रबारण गांव निकट पैसेन्जरों से लदा टेम्पो पलट जाने से १५ मुसाफिर जख्मी हो गए। सभी घायल मुसाफिरो को पालनपुर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बनासकांठा जिले में निजी वाहनों में मुसाफिरों को भेड़-बकरियों की तरह भरकर वाहन दौडाते हैं। ऐसे में कुछ वाहन चालक स्कूली बच्चों को भी ऐसे ही भरकर ले जाते हैं। इस तरह के समाचार कई बार प्रदर्शित किए परंतु प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं हुई। हाल में भी वाहन चालकों ट्राफिक नियमों को दरकिनार करते हुए निजी वाहनों में मुसाफिरों को लादकर ले जाते हैं। जिसके चलते कई बार हादसे होते है। ऐसी ही एक घटना प्रकाश में आई है। सूत्रों के मुताबिक अमीरगढ तहसील के रबारण गांव निकट जीप पलट जाने से जीप में सवार १५ मुसाफिर जख्मी हो गए। हादसे में घायल हुए मुसाफिरों को तत्काल पालनपुर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com